0338CH09

9 वाद्ययंत्र

गतिविधि 1 वाद्ययंत्र को सुनिए

ये भारतीय शास्त्रीय और लोक संगीत में उपयोग किए जाने वाले कुछ वाद्ययंत्र हैं। आप इस अध्याय की शुरुआत में दिए गए क्यू.आर. कोड को स्कैन करके इनकी ध्वनियाँ सुन सकते हैं।

हारमोनियम

बाँसुरी

मृदंगम

तबला

संतूर

सितार

सरोद

सारंगी

शहनाई

मंजीरा

पखावज

इनमें से कौन-से वाद्ययंत्र आपने पहले कभी सुने हैं? क्या आप बता सकते हैं कि कश्मीरी गीत 'बूम्बरो बूम्बरो' में कौन-सा वाद्ययंत्र बजाया गया है?

शिक्षक संकेत

स्थानीय संगीतकारों को आमंत्रित करें जो बच्चों के समक्ष कोई वाद्ययंत्र बजा सकें।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2 रसोई के बर्तनों की ध्वनियों से वाद्यवृंद (ऑर्केस्ट्रा) बनाएँ

जब कई संगीतकारों का एक समूह एक साथ विभिन्न वाद्ययंत्रों को बजाता है तो उसे **वाद्यवृंद** कहते हैं।

क्या आप अपने घर की रसोई में वाद्यवृंद बना सकते हैं?

रसोई वाद्यवृंद बनाने में रसोईघर में उपयोग की जाने वाली किस प्रकार की वस्तुओं का प्रयोग किया जा सकता है?

क्या आप अपने रसोई के वाद्यवृंद को कोंकणी गीत "उन्रा मौजए मामा" या किसी अन्य गीत के साथ बजा सकते हैं?

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

क्या आप जानते हैं?

झुनझुना वैसी ही ध्वनि देगा जैसी सामग्री आप उसमें डालेंगे और जितनी मात्रा में डालेंगे। झुनझुना बनाने के लिए आप अलग-अलग प्रकार के अनाज, कंकड़, संगमरमर के टुकड़े या बीज ले सकते हैं।
स्वयं प्रयास करें।

कौन-सा अनाज सबसे तेज ध्वनि उत्पन्न करता है?
जब आप झुनझुने में और अनाज डालते हैं तब क्या उसकी ध्वनि बढ़ जाती है?

गतिविधि 3 झुनझुना बनाएँ

झुनझुना एक ताल वाद्य है जिसका उपयोग लय बनाने में किया जाता है। इसे हिलाने पर ध्वनि निकलती है इसलिए इसे झुनझुना कहते हैं।

झुनझुना बनाने के लिए उपयोगी वस्तुएँ—

- एक छोटी अनुपयोगी खाली बोतल
- एक मुट्ठी अनाज, बीज या कंकड़
- रंग

अपना झुनझुना बनाएँ—

- बोतल को अंदर और बाहर से सुखा लें।
- बोतल में सूखी दालें, कच्चे चावल और मनचाहे अनाज भरें। याद रखें कि अलग-अलग प्रकार की वस्तुओं से विभिन्न प्रकार की ध्वनियाँ निकलती हैं।
- बोतल के ढक्कन को कसकर बंद करें।
- अपने मनचाहे रंगों और चमकीली वस्तुओं से बोतल को बाहर से सजाएँ।
- बोतल की सजावट को सूखने दें।
- झुनझुना उपयोग के लिए तैयार है।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 4 वाद्ययंत्रों की ध्वनि

वाद्ययंत्र बजाना तो हम बाद में सीखेंगे। आइए, पहले कुछ वाद्ययंत्रों की ध्वनि सुनें, जैसे—

डफ, डमरू, मृदंग, तबला, ढोलक, चेन्डा, इडैक्का

ये सभी वाद्य लकड़ी या पीतल और खाल से बने होते हैं। किसी वाद्ययंत्र का मुख ऊपर की ओर, किसी का दाएँ या बाएँ ओर होता है। इनको हाथ या छोटे डंडों से बजाया जाता है।

तविल

घुमट

not to be republished © NCERT

Reprint 2026-27

गतिविधि 5

आपने अपने आस-पास त्यौहारों में कई प्रकार के ढोल बजते हुए देखे होंगे। आइए, उनकी आवाजें सुनें और उनके छायाचित्र भी देखें।

ड्रम

डफली

नगाड़ा

ढोल

© NCERT not to be republished

कुछ संगीत के वाद्ययंत्रों के चित्र एकत्रित करें और नीचे चिपकाएँ—

बाँसुरी

नागस्वरम्

शहनाई

रणसिंघा

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

गतिविधि 6 अलग-अलग स्वर के समूह को सुनिए और सीखिए

गीतों में ऐसे पैटर्न को ढूँढें जिसमें लय और ताल को बार-बार दोहराया गया हो।

शिक्षक संकेत

बच्चों से इन स्वरों को गुनगुनाते हुए, आकार और अलंकार या सरगम शैली में गवाएँ। ताली या किसी वाद्ययंत्र के साथ लय बनाए रखें। विद्यार्थियों को बताएँ कि गाते समय अपने श्वास को नियंत्रण में रखना होता है।

नीचे दी गई सरगम को गाएँ और इसका अभ्यास करें—

सा रे ग म प ध नि सां
सां नि ध प म ग रे सा

सारे, रेग, गम, मप, पध, धनि, निसां,
सांनि, निध, धप, पम, मग, गरे, रेसा।

सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां,
सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा।

सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनि, पधनिसां,
सांनिधप, निधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा।

© NCERT not to be republished

10 उत्सव मनाएँ

0338CH10

गतिविधि 1 आइए, एक दिवाली गीत सुनें और सीखें

जगमग आई दिवाली

बोल

जगमग जगमग आई दिवाली
खुशियाँ ढेर लाई दिवाली
जगमग जगमग आई दिवाली

दीप जले हैं घर-घर देखो
रंगोली से सजा है आँगन
रोशन की लड़ियाँ हैं ताली
जगमग जगमग आई दिवाली

नए-नए कपड़े पहने हैं
नई-नई चीजें हैं आई
नई-नई सी गलियाँ सजा ली
जगमग जगमग आई दिवाली

करते हैं लक्ष्मी का पूजन
और लेते आशीष बड़ों का
फिर करके बढ़िया-सा भोजन
हँसते-खेलते गाना गाते
फूलझड़ी और चकरी जला ली
जगमग जगमग आई दिवाली

जगमग जगमग आई दिवाली
खुशियाँ ढेर लाई दिवाली
जगमग जगमग आई दिवाली

© NCERT not to be republished

गीत के बारे में

यह गीत दिवाली का वर्णन करता है, जो भगवान राम के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला दीपोत्सव है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनते हैं और अपने घरों को दीयों से रोशन करते हैं। चारों तरफ उल्लास और उत्साह का वातावरण होता है।

गतिविधि 2 आइए, संस्कृत में एक नववर्ष गीत सुनें और सीखें

बोल

क्षणं प्रति क्षणं यं नवम् नवम्
तच्च सुन्दरम् सच्च तच्चिवम्

वर्ष नूतनं ते शुभं मुदम्
उत्तरोत्तरं भवतु सिद्धिदम्

गीत के बारे में

जो सदैव नया और ताजा है, वही अच्छा, वास्तविक और सुंदर है। यह नव वर्ष आपके लिए सौभाग्य, खुशियाँ और सफलता लेकर आए।

संगीतकार – स्वामी तेजोमयानंद

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3 चलिए, एक क्रिसमस गीत सुनें और सीखें

जिंगल बेल्स

बोल

डैशिंग थ्रू द स्नो,
इन वन-हॉर्स ओपन स्लेज।

ओवर द फील्ड्स वी गो,
लाफिंग ऑल द वे।

बेल्स ऑन बोबटेल्स रिंग,
मेकिंग स्पिरिट्स ब्राइट।

वॉट फन इट इज टू राइड एंड
सिंग ए स्लेइंग सांग टूनाइट।

ओह! जिंगल बेल्स, जिंगल बेल्स,
जिंगल ऑल द वे।

ओह! वॉट फन इट इज टू राइड
इन ए वन-हौर्स ओपन स्लेज। हे!

© NCERT not to be republished

आनंदपूर्ण तथ्य

क्रिसमस के समय लोग समूह में एकत्रित होते हैं और एक साथ क्रिसमस गीत गाते हैं जो कैरलिंग कहलाता है।

गीतकार और संगीतकार – जेम्स लॉर्ड पियरपोंट

Reprint 2026-27

गतिविधि 4 आइए, ईद के लिए एक गीत सुनें और सीखें

आओ, ईद मनाएँ

बोल

आओ ईद मनाएँ
एक-दूजे के संग
तोड़े नफरत की दीवार
गले लगाए प्यार से

घर को दीपों से सजाएँ
भेदभाव को मन से मिटाएँ

नए कपड़ों के संग
मेहंदी और चूड़ियों के रंग

दावत की खुशियाँ मनाएँ
छोटे-बड़ों के साथ

खुदा से माँगें दुआएँ हम
नाना-नानी दादा-दादी
ईद मुबारक और करम

गीत के बारे में

'आओ ईद मनाएँ' गीत एकता, प्रेम और भाईचारे के साथ ईद का त्यौहार मनाने के बारे में है। यह गीत घरों को सजाने, नफरत को मिटाने, नए कपड़े पहनने और परिवार के साथ मिलकर आनंदपूर्वक त्यौहार मनाने को कहता है। यह ईश्वर और बड़ों से आशीर्वाद लेने के महत्व को भी बताता है।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 5 आइए, भगवान बुद्ध को समर्पित एक गीत सुनें और सीखें

बोल

बुद्धं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि
सघं शरणं गच्छामि

बुद्धं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि
सघं शरणं गच्छामि

© NCERT not to be republished

गीत के बारे में

भगवान बुद्ध को समर्पित इस प्रार्थना में उपासक भगवान बुद्ध और धर्म की शरण में जाने की प्रार्थना करते हैं।

Reprint 2026-27

गतिविधि 6 आइए, साथ में एक देशभक्ति गीत सीखें और गाएँ

आइए, एक ऐसा गीत सीखें जो हमें बताएगा कि भारत भूमि को प्रकृति किस प्रकार घेरे हुए है।

गीत के ताल पर ध्यान दीजिए। यह कहरवा ताल– ध गे न ती न क धी न है।

बोल

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

बेला गुलाब जूही चम्पा चमेली –2

प्यारे-प्यारे फूल गूंथे माला में एक हैं
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

गंगा यमुना ब्रह्मपुत्र कृष्णा कावेरी –2

जाके मिल गई सागर में हुई सब एक हैं
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

कोयल की कूक प्यारी पपीहे की टेर न्यारी –2

गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक है
हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं
रंग रूप वेश भाषा चाहे अनेक हैं

संगीतकार– पण्डित विनय चन्द्र मुद्‌गल

© NCERT not to be republished

गतिविधि 7 मिलकर गाएँ!

नीचे दिए गए गीत को ऑनलाइन सुनें एवं साथ में गाएँ—

हमको मन की शक्ति देना

बोल

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

भेदभाव अपने दिल से साफ़ कर सकें
दोस्तों से भूल हो तो माफ़ कर सकें
झूठ से बचे रहें, सच का दम भरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

मुश्किलें पड़ें तो हम पे, इतना कर्म कर
साथ दें तो धर्म का, चलें तो धर्म पर
खुद पे हौसला रहे, बदी से ना डरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

गीतकार – गुलजार
संगीतकार – वसंत देसाई

© NCERT not to be republished

अर्थ

इस गीत में हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे हमारे मन को विश्वास से भरा हुआ और सुदृढ़ बनाएँ।

हे ईश्वर, हमको शक्ति देना कि हम अपने मन को अपने वश में रख सकें जिससे हम स्वयं को नकारात्मक विचारों से बचा सकें और योग्य बना सकें।

हम अपने मन से भेदभाव मिटा सकें। दूसरों से गलती होने पर भी उन्हें क्षमा कर सकें। हम असत्य की राह से बचकर सत्य की राह पर चलें।

हम जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी अपने धर्म और कर्तव्य से कभी न डिगें। हमें सदैव स्वयं पर विश्वास रहे और हम कभी भी किसी से न डरें।

© NCERT not to be republished